तापमान
अधिकतम 36.3 डिग्री
न्यूनतम 15.6 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 8 मार्च 2026

10 रात में शहर की सड़कों पर जांची सफाई व्यवस्था

10 संस्कृति को खराब करने वाले लोगों का हो बहिष्कार..

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
Run by : AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
C.B.S.E. AFFILIATION NO. 530982

दुहन पब्लिक रजिडेंसियल स्कूल, जसिया/आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीटयूट, रोहतक
ने 10+2 साईंस में रचा इतिहास तीन बार हरियाणा और पांच बार जिला टॉप किया।

SCHOLARSHIP Cum ADMISSION TEST on
Syllabus PREVIOUS CLASS BASIC

SUNDAY, 8th MARCH 2026 Timing : 11:00 am to 1:00 pm

FREE DEMO CLASSES ONLY FOR 11TH CLASS

Main Features

1st PRIZE ₹100000 GET 100% SCORE
2nd PRIZE ₹75000 GET 90% SCORE
3rd PRIZE ₹51000 GET 80% SCORE

Note : The scholarship prize amount received will be adjusted against the fees for the Session 2026-27
NOTE : The final decision will be that of the management.

IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल के चार बच्चों ने मारी बाजी
IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीटयूट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया

भारत हुड्डा का NDA SSB में हुआ Qualified 2026

दुहन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई परीक्षा 2026 में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन तनमय गौर ने सामान्य वर्ग में 95.68 तथा अनुज लाठवाल ने सामान्य-ईडब्ल्यूएस वर्ग में 94.859 परसेंटाइल प्राप्त की

NEET/JEE SELECTION 2025 IN GOVT. MEDICAL COLLEGE

LAVANYA SAINI
Agartala Govt. Medical College, Agartala, Kunjaban, Agartala, Tripura West, Tripura
Rank : 22744 NEET SCORE -532

SACHIN
(Artificial Intelligence)
IIT GUHATI-2025

TANNU NAIN
COLLEGE - PGIMS, ROHTAK MBBS
Rank : 5704

VIR HOODA 94%
ANKUR 96%

IIT JEE ADVANCE 2024

ANSH DUHAN
S/o Dr. Ashok Duhan Sir
Rank : 11002

RISHABH
With Dr. Ashok Duhan Sir
CRL : 17548, OBC_NCL:4315

YASH LAMBA
With Dr. Ashok Duhan Sir
CRL : 11852

YURAJ VERMA
With Dr. Ashok Duhan Sir
Score : 660/720 Rank : 21714

NEET/NDA SELECTION 2024 IN MEDICAL COLLEGE

ANSH DUHAN S/O
DR. ASHOK DUHAN
NEET - 2024 (MBBS)

SUHANI DUHAN D/O
DR. ASHOK DUHAN
NEET - 2024 (MBBS)

JAI KAUSHIK
NDA - 2024
SSB QUALIFIED

ARYAN MALIK
IMUCAT-2024
MARCHANT NAVY

SANJEET BHARDWAJ
NEET - 2024, Rank-5028
Marks : 685/720

AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE

DR. ASHOK DUHAN
M.Sc., M.Ed., Ph.D. (Math)
Lecturer in Math (Exp. 18 Years)
(Ex. Lecturer in Jat Institution, Rohtak)
Mob.: 9416148363, 9996059603

DR. SUNITA DUHAN
HOD Chemistry Maharani Kishori Jat Kanya Mahavidyalaya, Rohtak
Ex-Scientist FSL Madhuban Karnal
Mob.: 93507 84933

DUHAN SCHOOL CAMPUS, JASSIA

PRINCIPAL
MRS. ANU RANA
26 Yrs Exp. From Jat Institution
Mob.: 9896205969

SECRETARY
SANTOSH MALIK
Mob.: 9253183528

AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE

CENTRE HEAD
SANJAY DUHAN
KATH MANDI, ROHTAK
Mob.: 9466903708

Jassia, Gohana Road, Rohtak
E-mail : duhanpublicschool2@gmail.com

ओपन थ्रो शॉटपुट इवेंट के पुरुष और महिला खिलाड़ी छाए

रोहतक के निश्चय और भिवानी की योगिता ने जीते गोल्ड मेडल

रोहतक। निश्चय। फोटो : हरिभूमि

1. 5वीं इंडियन ओपन थ्रो कंपीटीशन का पंजाब के पटियाला में हुआ आयोजन
2. प्रतियोगिता में हरियाणा के 13 महिला व 33 पुरुषों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

5वीं इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए शॉटपुट इवेंट में रोहतक के निश्चय ने स्वर्ण पदक जीता।

महिला वर्ग शाट पुट इवेंट में योगिता भिवानी ने स्वर्ण पदक, अंडर-20 लडका हैमर थ्रो इवेंट में अमन ने स्वर्ण पदक जीता।

सत्यवीर धनखड फरीदाबाद मीडिया प्रभारी खेल ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि 5वीं इंडियन ओपन थ्रो कम्पटीशन का दो दिवसीय आयोजन नेता जी सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला पंजाब में 7 मार्च से 8 मार्च तक किया जा रहा है और इस कम्पटीशन में हरियाणा राज्य से 13 महिला और 33 पुरुष सहित कुल 46 एथलीट खिलाडी भाग ले रहे हैं। प्रदीप मलिक महासचिव एथलेटिक्स ने बताया कि अंडर-18 शॉटपुट इवेंट में आरती हरियाणा ने 13 मीटर और 22 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ रजत पदक जीतकर एथलेटिक्स हरियाणा का मान बढ़ाया। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान सिंह भादू और निदेशक नरेंद्र मोर एवं राजकुमार मितान सदस्य ग्रीवेंस कमेटी एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक विजेता बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।

गोयल क्रिकेट क्लब ने पांच विकेट से मैच जीता

रोहतक। हनुमंत क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप के लीग मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेट सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन क्लब को 5 विकेट से पराजित किया। इस मुकाबले में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए दीपांशु भारद्वाज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।पहले बल्लेबाजी करते हुए लेट सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन क्लब ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए। टीम की ओर से आदित्य मलिक ने नाबाद 61 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल थे। गोयल क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में दीपांशु भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट झटके। 153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोयल क्रिकेट क्लब की टीम ने संयम और समझदारी के साथ बल्लेबाजी की। अर्जुन मोर ने शानदार पारी खेलते हुए 60 गेंदों पर 65 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। दीपांशु भारद्वाज ने 34 गेंदों पर 41 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। अंत में हर्ष ने 5 गेंदों पर 15 रन की तेज़ पारी खेली और आर्यन खंगवाल ने नाबाद 7 रन बनाकर टीम को 19.4 ओवरों में जीत दिला दी।

एमडीयू की टीम नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुई

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की महिला हैंडबॉल टीम 8 से 13 मार्च तक हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित होने वाले नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय की खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ तैयारी की है और उन्हें विश्वास है कि टीम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेगी। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने और अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के खेल विभाग की ओर से टीम को प्रतियोगिता के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

महिला दिवस पर खिलाड़ी सम्मानित

रोहतक। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को महिला खिलाड़ी सुमन को सम्मानित किया। सुमन कबड्डी की गोल्ड मेडलिस्ट है और अभी रेलवे में कार्यरत हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उषा शर्मा ने की। मुख्य अतिथि महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन प्रतिभा सुमन रही। इसके अलावा पार्टी की प्रिया कपूर, रेखा जैन, सरोज हुड्डा, मीना इंदौरा, सुदेश पांचाल और संगीता सिंघल उपस्थिति रही सहयोगी के रूप में विश्व मैत्री संगठन की अध्यक्ष मंजू गर्ग व मंडल की सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रही। महिलाओं को महिला दिवस का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि हर दिन महिलाएं सम्मान के योग्य हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष महिलाओं सम्मानित करते हैं।

शिविर में 36 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

रोहतक। शनिवार को मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सांघी गांव में बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिसके अंदर गांव और आसपास के मरीजों ने आकर अपने हड्डी और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। इस कैंप में गांव और आसपास से कुल 36 मरीज पहुंचे। जिनकों हड्डी और जोड़ों के दर्द से जुड़ी अलग अलग समस्याएं थी। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सांघी गांव में हर सप्ताह फ्री कैंप का आयोजन किया जाता है। जिसके अंदर हड्डी और जोड़ों दर्द के मरीज आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस कैंप का आयोजन शहर के सबसे बड़े समाजसेवी राजेश जैन की देखरेख में किया जाता है। जिनकी इच्छा थी कि गांव और आसपास के मरीजों को इलाज के घर से दूर ना जाना पड़े। संस्था के कोषाध्यक्ष नवनीत हुड्डा ने बताया कि इस कैंप में हड्डी और जोड़ों के दर्द के लिए प्रसिद्ध डॉक्टर अरमान आते हैं और मरीजों की जांच करते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था की तरफ से गांव में लगातार 2 साल से फ्री कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

फसल खराबे के मुआवजे को लेकर किसान 10 मार्च को करेंगे प्रदर्शन

सांपला। अखिल भारतीय किसान सभा ने शुक्रवार को पिछली खरीफ फसल धान, बाजरा, कपास के खराबे के बकाया मुआवजे जारी करने, जलभराव से खाली रही कृषि भूमि की गिरदावरी करवाने आदि मुद्दों को लेकर जिला उपायुक्त पर 10 मार्च को सभी गावों के पीड़ित किसान प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शकी तैयारी के लिए आज अटाल, पाकस्मा, समचाना, मोरखेड़ी, नौनद ,खरावड़ , चुलाना, कुल्ताना आदि गावों में अभियान चलाया गया। किसान सभा जिला प्रधान सुनील मलिक ने बताया कि पिछली खरीफ की फसलों के दौरान रोहतक जिला की सांपला, महम और कलानौर तहसील के दर्जनों गावों में हुई अत्यधिक बारिश से धान,बजारा,कपास की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। जिसके लिए किसानों ने क्षतिपूर्ति पोर्टल पर पंजीकरण करवाया था और अधिकारियों ने 75 से 100% नुकसान पाया था। हरियाणा सरकार द्वारा जो मुआवजा जारी किया उसमें जिला के दर्जनों गावों के किसानों को इसका मुआवजा आज तक नहीं मिला। मुआवजा ना देकर सरकार ने किसानों के साथ काफी बड़ा धोखा किया है। किसान इस इंतजार में थे कि उनको मुआवजा मिलेगा पर मुआवजा न आने से किसान ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। सचिव सुमित दलाल ने बताया कि विधानसभा में विधायकों द्वारा सवाल पूछे जाने पर मुख्यमंत्री किसानों को गुमराह कर रहे है। शिकायतें देंने के बावजूद भी जिला प्रशासन खराबे की सही रिपोर्ट बनाकर सरकार को नहीं भेज रहा है। जिससे किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही।

सफीदों हादसे में झुलसे मजदूरों के उपचार में कसर नहीं छोड़ी जाएगी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा है कि सफीदों की एक फैक्ट्री में आग लगने से झुलसे

- पीजीआई में डीसी ने उपचाराधीन मरीजों का हालचाल जाना

मजदूरों के उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। शनिवार को पीजीआईएमएस स्थित ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर उपचाराधीन मरीजों का हालचाल जाना और डॉक्टरों से उनकी स्थिति व उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन उपचार संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। सफीदों की भाट कॉलोनी में स्थित रंगों की एक फैक्ट्री में आग लगने से कई मजदूर झुलस गए थे।

रा.व.मा. विद्यालय खैरड़ी में उत्साह से मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरड़ी (रोहतक) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति विद्यार्थियों और समाज में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या सुनीता कुमारी के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की महिला हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में महिलाएं उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और संवेदनशीलता की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा भाषण, नाटक, कविता पाठ तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, उनके योगदान और सशक्तिकरण का प्रभावशाली संदेश दिया गया।

कच्चे कर्मियों को पक्का करवाने की मांग को लेकर हुई बैठक

रोहतक। इलैक्ट्रिसिटी फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन की राज्य स्तरीय कार्यकारिणी बैठक रोहतक स्थित कर्मचारी भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य मंत्री सुरेश राठी ने की। मंच संचालन कार्यवाहक महासचिव राजेंद्र राणा ने किया। बैठक में प्रदेश भर से बिजली यूनियन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के राज्य चेयरमैन देवेंद्र हुड्डा ने रूप से कहा कि बिजली यूनियन धरातल स्तर पर अभियान चलाकर सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने के लिए आंदोलन में लामबंद करेगी। बिजली विभाग में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को स्थायी करने का मुद्दा बेहद गंभीर है और इसे लेकर यूनियन लगातार आंदोलन कर रही है। चेयरमैन ने कहा कि केंद्र सरकार जिस प्रकार देश पर जनविरोधी नीतियां थोप रही है, उससे मजदूर, किसान और मेहनतकश वर्ग पर शोषण और बढ़ेगा। मीटिंग में सुरेंद्र यादव, लोकेश कुमार, जगमिंदर पुनिया, सोमपाल रावल, जगमिंदर पुनिया, सुबेसिंह आदि मौजूद रहे।

स्टेट पेंशनर्स की मानसरोवर पार्क में हुई जिलास्तरीय बैठक

रोहतक। हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज जिला कमेटी की मासिक बैठक मानसरोवर पार्क में हुई। मंच संचालन शमशेर सिवाच ने किया। बैठक की अध्यक्षता जिला चेयरमैन देबी सिंह देसवाल व दयानंद यादव ने संयुक्त रूप से की। बैठक में राज्य कार्यकारिणी की ओर से राज्य चेयरमैन मेहर सिंह नैन, राज्य उप्रधान धर्मकौर मलिक, राज्य महासचिव रोशनी देवी हुड्डा एवं राज्य वित्सचिव तुही राम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। राज्य चेयरमैन मेहर सिंह नैन ने बैठक में पेंशनर्स की आयु 65, 70 एवं 75 वर्ष होने पर क्रमशः 5%, 10% एवं 15% की वृद्धि की पुरजोर मांग उठाई।

हरियाणा की संस्कृति को खराब करने वाले लोगों का हो बहिष्कार : पूनम आर्या

रोहतक। कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता एवं धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटोली में चल रहे 19वें चतुर्वेद पारायण महायज्ञ के अंतर्गत शनिवार के कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजनोपदेशिका कल्याणी आर्या विशेष रूप से पहुँचीं। उन्होंने कहा कि आजकल समाज में फैल रहे अश्लील और गंदे गीत हमारी संस्कृति को दूषित कर रहे हैं, जिन पर रोक लगनी अत्यंत आवश्यक है। बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम आर्या ने कहा कि जो लोग हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं, समाज को उनका सामूहिक बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान उसकी सादगी, संस्कृति और संस्कारों से है, जिसे बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने अभी हाल मे हरियाणा मे विवादित गीत को लेकर कहा कि इस तरह के गीत जहां बहनो के सम्मान को तार तार करते हैं वहीं हरियाणवी संस्कृति को भी बदनाम करने का कार्य कर रहे हैं। यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश ने कहा कि हमें वैदिक मान्यताओ से जुड़कर हम अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं. इस अवसर पर मुख्य रूप से देवी सिंह आर्य, बानबीर कुण्डु, कुलदीप कुण्डु, जिले सिंह आर्य आदि मौजूद रहे।

विधायक बत्रा ने विस में उठाए शहर की मुलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे

- रिहायशी कॉलोनियों में लटकती बिजली तारों से आमजन परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में विधायक भारत भूषण बत्रा ने शहर से जुड़े कई महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया। उन्होंने रोहतक की कॉलोनियों में लटकती बिजली व टेलीकॉम तारों से पैदा हो रहे खतरे, सेक्टरों की पुरानी सीवरेज व्यवस्था और गांव डोभ क्षेत्र में बाधित सिंचाई व्यवस्था को सदन में प्रमुखता से रखते हुए सरकार से जवाब मांगा।

बत्रा ने सबसे पहले शहर की रिहायशी कॉलोनियों में बेतहाशा लटकती बिजली और इंटरनेट/टेलीकॉम तारों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि शहर के कई क्षेत्रों में बिजली तथा केबल ऑपरेटरों की तारें बेहद नीचे तक लटक रही हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। कई स्थानों पर बाइक सवारों और पैदल चलने वालों को इन तारों के कारण परेशानी उठानी पड़ती है।

बत्रा ने कहा कि यह केवल तकनीकी समस्या नहीं बल्कि मानवीय और शहरी सौंदर्य से जुड़ा विषय भी है। सड़कों और कॉलोनियों में लटकती तारें शहर की छवि को खराब करती हैं। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर बिजली, इंटरनेट और केबल ऑपरेटरों की तारें एक साथ उलझी हुई दिखाई देती हैं, जिससे खतरा बढ़ता है ।

डी-प्लान की राशि किसी भी सूरत में लैप्स नहीं हो : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि डी-प्लान के तहत स्वीकृत सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। उपायुक्त शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में डी-प्लान के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। सचिन गुप्ता ने कहा कि डी-प्लान के तहत विकास कार्यों के लिए प्राप्त राशि किसी भी सूरत में लैप्स नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए कार्यों की गति तेज की जाए और नियमित रूप से उनकी निगरानी की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में उच्च गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लेट-लतीफी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। खंड विकास एवं पंचायती अधिकारियों, नगर निगम तथा नगर पालिकाओं के अधिकारियों से डी-प्लान के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की और कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि विकास कार्य पूर्ण होने के साथ ही संबंधित विभाग बिल प्रस्तुत करें, ताकि समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सके और कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया।

बादशाह के गीत टटीरी पर पूर्व डीपीआर सुनीत मुखर्जी ने उठाए सवाल, कहा-गाना वापस लें

रोहतक। चर्चित रैपर बादशाह के हाल ही में रिलीज हुए गीत टटीरी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व निदेशक जनसंपर्क, प्रख्यात मीडिया विशेषज्ञ और कम्युनिकेशन स्किल्स विशेषज्ञ सुनित मुखर्जी ने गीत के कुछ बोल और दृश्यों को आपत्तिजनक बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। सुनित मुखर्जी ने कहा कि भले ही गीत की धुन आकर्षक हो, लेकिन इसके कुछ दृश्य और शब्द समाज के लिए गलत संदेश देते हैं। उन्होंने विशेष रूप से उस दृश्य पर आपत्ति जताई जिसमें स्कूली लड़कियां अपने स्कूल बैग फेंकती नजर आती हैं। उनका कहना है कि हरियाणा में बेटियों की शिक्षा को सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम माना जाता है, ऐसे में इस तरह का दृश्य प्रतिगामी सोच को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि गीत में स्कूल परिसर और हरियाणा रोडवेज बस की छत पर लड़कियों के डांस के दृश्य दिखाना भी अनुचित है। साथ ही गीत के कुछ दोहरे अर्थ वाले बोल और नशीले पदार्थों के संदर्भ समाज के लिए ठीक संदेश नहीं देते। सुनित मुखर्जी ने बादशाह से अपील करते हुए कहा कि वे गीत के आपत्तिजनक हिस्सों को हटाकर इसे दोबारा शूट करें और समाज की भावनाओं का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय कलाकार होने के नाते कलाकारों की समाज के प्रति बड़ी जिम्मेदारी होती है, इसलिए उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार रुख अपनाना चाहिए।

स्वच्छता किला रोड से दिल्ली रोड तक सफाई कार्य की जांच, दुकानदारों व रेहड़ी वालों से डस्टबिन रखने की अपील

रात में शहर की सड़कों पर जांची सफाई व्यवस्था

- निगम अधिकारियों ने शहर के मुख्य बाजारों व सड़कों का किया बारिकी से निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नगर निगम अधिकारियों ने रात के समय मुख्य बाजारों और सड़कों का निरीक्षण कर सफाई कार्यों का जायजा लिया। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम सफाई व्यवस्था को लेकर पूरी तरह गंभीर है और इसी के तहत अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम के कार्यकारी अभियंता मंजीत दहिया, जिला नगर योजनाकार तिलकराज, भू-अधिकारी संदीप बतरा और सहायक सफाई निरीक्षक संदीप राठी ने शहर के प्रमुख बाजारों और सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान किला रोड, रेलवे रोड, डी-पार्क, सेक्टर-1 और सेक्टर-2 मार्किट, पुराना बस स्टैंड से अंबेडकर चौक, कैनाल रेस्ट हाउस चौक, सोनीपत रोड और दिल्ली रोड सहित कई स्थानों पर चल रहे सफाई कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्य बाजार क्षेत्रों, व्यस्त मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई व्यवस्था, स्वीपिंग मशीन के संचालन, कूड़ा उठान, डोर-टू-डोर कलेक्शन और सड़क किनारे जमा कचरे की स्थिति की जांच की। साथ ही सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यप्रणाली और सफाई में उपयोग किए जा रहे उपकरणों का भी जायजा लिया गया।

स्वच्छता को लेकर निगम सख्त गंदगी फैलाने वालों के काटे चालान

रोहतक। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर और प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम के अधिकारी लगातार फील्ड में उतरकर कार्य कर रहे हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न वार्डों, मुख्य बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जहां भी गंदगी फैलाते लोग मिले, उनके मौके पर ही चालान किए गए। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि शहर में कहीं भी कचरे के ढेर या गंदगी की स्थिति न बने, इसके लिए निगम अधिकारी और कर्मचारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने, गोबर खुले में डालने और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीम ने खुले में कूड़ा और गोबर डालने वालों के दो चालान करते हुए 1500 रुपये का जुर्माना वसूला। उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों, बाजार क्षेत्रों और कॉलोनियों में कूड़ा फेंकना, सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल या बिक्री करना तथा निर्माण सामग्री को इधर-उधर डालना नियमों के खिलाफ है। निगम का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं बल्कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है।

नशे के खिलाफ अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं स्वयंसेवक : दिमाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना का स्वागत करते प्राचार्य डॉ जोगेन्दर दहिया। फोटो : हरिभूमि

अखिल भारतीय जाट सूरमा स्मारक महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि संस्था के उपप्रधान धर्मराज, कॉलेजियम सदस्य सुनील फरमाना रहें । कॉलेज प्राचार्य डॉ जोगेन्दर दहिया और सभी कार्यक्रम अधिकारिओं ने विशिष्ट जनो का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से की गई। प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराई के विरुद्ध अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं और अपने परिवार व समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशा देश और प्रदेश की प्रगति में बड़ी बाधा बन रहा है, इसलिए युवाओं को इसके खिलाफ संकल्प लेकर आगे आना होगा।

दोपहर कालीन सत्र मे उजाला फाउंडेशन से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आरती साहू ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने युवाओं को यौन शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सही जानकारी और जागरूकता के माध्यम से कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है.

डॉ. साहू ने विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं अपने परिजनों के साथ साझा करने तथा जीवन में अपने प्रति ईमानदार रहने की सलाह दी।

सांय कालीन सत्र मे विद्यार्थिओं ने लकी स्टार एवं नीम्बू चम्मच दौड़ खेलो का लुत्फ उठाया और बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 8 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 36.3 डिग्री
न्यूनतम 15.6 डिग्री

मरीजों को नशा छोड़ने के लिए किया प्रेरित : डॉ. तरन्नुम खान

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने शनिवार को सिविल अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया और वहां भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों व अन्य स्टाफ सदस्यों से भी मुलाकात की तथा मरीजों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मरीजों को स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए जागरूक किया।

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे।
- ब्वायज क्रिकेट क्लब के बीच होगा मैच सुबह 10 बजे
- सफाई व्यवस्था को लेकर निगम अधिकारी करेंगे निरीक्षण ।
- रेलवे स्टेशन पर रक्तदान शिविर 9 बजे से 2 बजे तक

खबर संक्षेप

युवक पर जानलेवा हमले का छठा आरोपी पकड़ा

रोहतक। कृपाल नगर निवासी युवक और उसके साथियों के साथ मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी सूरज पुत्र संतोष निवासी आजादगढ़, रोहतक को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

विक्रम की हत्या मामले 10 युवक हिरासत में

रोहतक। कलानौर क्षेत्र के गांव बनियानी में फाग के दिन मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। आरोप है कि कुछ युवकों ने तलवार, साइकिल की चेन और लाठी-डंडों से हमला कर विक्रम नामक युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाद में उपचार से पहले ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वहीं, पुलिस ने शनिवार को युवक की हत्या के मामले में करीब 10 युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। साहिल ने बताया कि दोस्त सतीश के साथ बाइक पर गांव पटवापुर में क्रिकेट खेलकर लौट रहे थे तभी विवाद बढ़ गया।

महिला दिवस पर विशेष

दुनिया में धाक जमा रहीं म्हारी लाडलियां

■ कुश्ती, मुक्केबाजी और निशानेबाजी में रोहतक की बेटियों ने मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय पटल पर बिखेरी चमक

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

जब हौसलों में उड़ान और इरादों में जान हो, तो सफलता कदम चूमती है। गांवों की गलियों से निकलकर खेल के मैदानों तक का सफर तय करने वाली इन बेटियों ने न केवल रूढ़ियों को तोड़ा है, बल्कि दुनिया भर में तिरंगा लहराकर यह साबित कर दिया है कि उनके सपनों के आगे आसमान भी छोटा है। कुश्ती के अखाड़े हों, मुक्केबाजी की रिंग या निशानेबाजी रोहतक की बेटियों ने अपनी मेहनत और जज्बे से अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी चमक बिखेरी है। आज ये जिले की धाकड़' बेटियां न केवल हरियाणा का गौरव हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत बन चुकी हैं।

गरीबी और शारीरिक चुनौतियों को पछाड़ देश का नाम रोशन कर रही भारती

गांव रुड़की के एक साधारण परिवार की लड़की भारती की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। उसने गरीबी, परिवार के विरोध और शारीरिक चुनौतियों को पछाड़कर सफलता हासिल की है। भारती के पिता दिलबाग ईंट भट्ठे पर ट्रैक्टर से ईंट उतारने का काम करते हैं जबकि उनकी मां सुदेश गृहिणी हैं। शहीद बैतून सिंह स्टेडियम में कोच विजय हुड्डा के पास अभ्यास करती है। भारती ने बताया कि उसने साल 2015 बॉक्सिंग खेलना शुरू किया था। बचपन से ही उनका वजन ज्यादा था। माता-पिता ने कहा कि वह अपनी मौसी की लड़की मोनिका के साथ स्टेडियम जाए। इससे उनका वजन कम हो जाएगा। उनका वजन कम होना शुरू हुआ लेकिन साथ में बॉक्सिंग में रुचि बन गई। इसके बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी। 2018 जूनियर इंटरनेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2019 में यूथ नेशनल चैंपियन व स्टेट चैंपियन रही। 2019 में यूथ इंटरनेशनल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

मनीषा ने 7 साल बाद सीनियर एशियन कुश्ती में सोना दिलाया

मनीषा ने बताया कि फिट होने के लिए कुश्ती खेलना शुरू किया था लेकिन फिर रुचि बन गई। छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती हूं और सन सिटी में रहती हूं। उन्होंने बताया कि आउट स्टैंडिंग स्पोर्ट्स पर्सन (ओएसपी) से रोहतक में जूनियर कोच हूं। 2016 साउथ एशियन में स्वर्ण पदक, 2017 कॉमनवेल्थ गेम में कांस्य, 2022 वर्ल्ड रैंकिंग में स्वर्ण 2023 वर्ल्ड रैंकिंग में कांस्य पदक जीता। 2025 में सीनियर एशियन चैंपियनशिप में चैंपियन बनी हूं। 7 साल बाद कोई भारत की लड़की चैंपियन बनी है।

कविता ने पोलियो को हराकर तैराकी में 15 नेशनल पदक जीते

जब जीवन अप्रत्याशित रूप से सबसे बड़ी चुनौती पेश करता है तो कुछ लोग टूट जाते हैं या कुछ उसे ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेते हैं। रोहतक की कविता पंचाल इन्हीं में से एक हैं। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से यह साबित कर दिया है कि शारीरिक अक्षमता केवल एक शब्द है। कठोर परिश्रम तथा मजबूत इरादों से हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कविता की यात्रा तब शुरू हुई जब वह महज ढाई साल की थीं। पोलियो की चपेट में आने से उनके दोनों पैर काम करने बंद कर दिए लेकिन इस चुनौती ने उन्हें कमजोर के बजाय और मजबूत बनानी कहानी बताते हुए कि उनका पहला खेल तैराकी था। तैराकी में 15 नेशनल मेडल जीते। 2021 में तैराकी के बजाय नया सफर निशानेबाजी का शुरू किया। उन्होंने ओमैक्स सिटी स्थित अभिनंदन शूटिंग अकादमी में कोच संदीप नेहरा के मार्गदर्शन में अभ्यास करने शुरू किया। 2022 में जोनल पैरा शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

बिजली निगम ने शुरू किया व्यवस्था दुरुस्त करने, मेंटेनेंस और अपग्रेडेशन का काम, ताकि मिल सके राहत

39 कॉलोनियों में 2 से 8 घंटे आज बिजली बंद

बाजारों में भी अलग-अलग समय पर कई घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी

सुबह आठ बजने से पहले ही निपटा लें जरूरी काम, वरना होंगे परेशान

गर्मी शुरू होते ही बढ़ने लगी बिजली की खपत, जलसंकट गहराने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गर्मियों के मौसम से पहले बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बिजली निगम ने मेंटेनेंस और अपग्रेड कार्य तेज कर दिया है। इसी कड़ी में शहर के विभिन्न इलाकों में बिजली लाइनों की मरम्मत, फीडरों की जांच और तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों के चलते शहर की करीब 39 कॉलोनियों और बाजारों में अलग-अलग समय पर कई घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार यह कार्य गर्मियों में बढ़ने वाली बिजली मांग को देखते हुए किया जा रहा है। गर्मी के मौसम में एसी, कूलर और अन्य उपकरणों के उपयोग के कारण बिजली लोढ काफी बढ़ जाता है। ऐसे में बिजली नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए पहले से ही फीडरों और लाइनों की मरम्मत तथा तकनीकी सुधार करना जरूरी होता है।

9:30 से 12:30 बजे तक यहां बंद रहेगी सप्लाई

शहर के कुछ प्रमुख बाजार क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति कुछ समय के लिए बंद रखी जाएगी। सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक शौरी मार्केट, रामफूल मार्केट, बाबा गली, ट्रंक गली, सुनार गली, पुरानी अनाज मंडी, महाजन पड़ाव और प्रताप टॉकीज के आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इन क्षेत्रों में पुराने तारों और बिजली लाइनों की जांच तथा आवश्यक मरम्मत का कार्य किया जाएगा, ताकि भविष्य में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रह सके।

सुबह 10 से शाम 6 बजे तक इन कॉलोनियों में कटौती

सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक शहर की कई प्रमुख कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इनमें डीएलएफ कॉलोनी, जगदीश कॉलोनी, चिन्योट कॉलोनी, रामनगर, नेताजी नगर, गांधीनगर, जवाहर नगर, आर्य नगर, शिवम एनक्लेव, सर्कुलर रोड, गांधी कैंप, घनीपुरा, बैंक कॉलोनी, पटेल नगर, श्रीनगर कॉलोनी और एकता कॉलोनी शामिल हैं। इन क्षेत्रों में बिजली लाइनों की मरम्मत, केबल बदलने और फीडरों की जांच का कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित फीडरों को बंद रखकर तकनीकी कार्य किया जाएगा।

सैनिक कॉलोनी क्षेत्र में भी रहेगा असर

सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सैनिक कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में भी बिजली कटौती की जाएगी। इनमें सैनिक कॉलोनी, बारू वाली गली, हाईटेक वाली गली, मंदिर वाली गली और बुद्धे की मूर्ति के पास का क्षेत्र शामिल है। बिजली निगम की टीम यहां फीडर लाइन और ट्रांसफॉर्मर से संबंधित तकनीकी कार्य करेगी, जिससे भविष्य में बिजली आपूर्ति में आने वाली समस्याओं को कम किया जा सके।

सुबह 8 से 10 बजे तक इन क्षेत्रों में रहेगा बिजली कट

सुबह 8 बजे से 10 बजे तक शहर के बाहरी और विकसित हो रहे इलाकों में भी बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इनमें लाढौत रोड, हैफेड रोड, उत्तम विहार, टोल प्लाजा क्षेत्र, मिल्स प्लांट, लक्ष्मी नगर, नसीरपुर, सनसिटी हाइट, सुपवा, राजीव गांधी खेल परिसर और पानीपत रोड के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में भी बिजली लाइनों की जांच और आवश्यक मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील

बिजली निगम के अधिकारियों का कहना है कि गर्मियों के मौसम में बिजली की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे में समय रहते बिजली नेटवर्क को मजबूत करना जरूरी होता है, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके। निगम ने शहर के उपभोक्ताओं से अपील की है कि मेंटेनेंस कार्य के दौरान होने वाली अस्थायी बिजली कटौती में सहयोग करें। विभाग का दावा है कि इन कार्यों के पूरा होने के बाद शहर में बिजली आपूर्ति पहले से बेहतर और अधिक स्थिर हो सकेगी।

गर्मियों में पूरी बिजली सुनिश्चित करेंगे लेकिन लोग चोरी पर अंकुश लगाएं

जिले में 19,000 से अधिक ट्रांसफॉर्मर व रोजाना 70 से 90 लाख यूनिट की खपत, लेकिन बिजली चोरी चुनौती

एक साल में करीब 2245 केस दर्ज होने के बाद भी प्रीपेड मीटर योजना खटाई में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में बिजली की बढ़ती मांग और लगातार सामने आ रहे बिजली चोरी के मामलों के बीच प्रीपेड बिजली मीटर लगाने की योजना अब तक पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। बिजली निगम ने वर्षों पहले बिजली चोरी रोकने और बिल वसूली को मजबूत करने के लिए प्रीपेड मीटर लगाने की घोषणा की थी, लेकिन आज भी जिले के उपभोक्ता पारंपरिक पोस्टपेड मीटर पर ही निर्भर हैं। वहीं, बिजली निगम के अधिकारियों का दावा है कि निगम के पास गर्मियों में पूरी पॉवर है। अगर चोरी पर अंकुश लग जाए तो बिजली कट नहीं लगेंगे।

बिजली की खपत बढ़ रही

शहर में बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। गर्मियों के दिनों में एक दिन में लगभग 90 लाख यूनिट तक बिजली की खपत दर्ज की जा चुकी है, जबकि सामान्य दिनों में भी रोजाना 70 से 90 लाख यूनिट बिजली की मांग बनी रहती है।

700 नए ट्रांसफॉर्मर और फीडर भी लगाए

बिजली निगम के आंकड़ों के अनुसार जिले में लगभग 19,300 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर लगे हुए हैं। इनमें 25 केवीए, 63 केवीए, 100 केवीए और 200 केवीए क्षमता के ट्रांसफॉर्मर शामिल हैं। ये ट्रांसफॉर्मर शहर की कॉलोनियों, गांवों, औद्योगिक क्षेत्रों और कृषि क्षेत्रों में बिजली सप्लाई देने के लिए लगाए गए हैं। बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए निगम ने हाल ही में लगभग 700 नए ट्रांसफॉर्मर और नए फीडर भी स्थापित किए हैं, ताकि बढ़ते लोड को संभाला जा सके और बिजली आपूर्ति में सुधार किया जा सके।

बिजली चोरी के हजारों केस

बिजली चोरी के मामलों को लेकर रोहतक में अलग से बिजली थाना भी काम करता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार रोहतक में एक साल में बिजली थाने में करीब 2245 बिजली चोरी के मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इन मामलों में विभाग द्वारा लगभग 8.33 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

इन इलाकों में बिजली चोरी के ज्यादा मामले

बिजली निगम की कार्रवाई और चेकिंग अभियानों में शहर के कई इलाकों में बिजली चोरी के मामले सामने आते रहते हैं। इनमें मुख्य रूप से काठमंडी एरिया, झज्जर चुंगी के आसपास की कॉलोनियां, कमला नगर, जनता कॉलोनी और न्यू जनता कॉलोनी, हरी सिंह कॉलोनी, शिवाजी कॉलोनी, अंबेडकर कॉलोनी, रामनगर, टेक नगर, संजय कॉलोनी और नंद कॉलोनी व भिवानी रोड के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा जिले के कुछ गांवों में भी बिजली चोरी के मामले सामने आते हैं। इनमें सुनारिया, माजरा, गढ़ी बोहर और सुखपुरा के आसपास के गांवों का नाम अक्सर विभागीय कार्रवाई में सामने आता रहा है।

प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे

बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाती है। जहां भी चोरी पाई जाती है वहां पर केस दर्ज किया जाता है। जल्द ही मीटर लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। -बिजेंद्र नरवाल, एसई, बिजली निगम रोहतक

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाण-पत्रों के साथ आकर मिलें।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDF C बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीड़ की हडिड्यों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज
ECHS
- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC

के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

सीबीएसई परीक्षा: पेपर में इतिहास, भूगोल राजनीति और अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न पूछे

रोहतक। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से जिले के 24 केंद्रों पर शनिवार को 10वीं कक्षा की सोशल साइंस (सामाजिक विज्ञान) विषय की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा देकर लौटे विद्यार्थियों ने पेपर को आसान बताया। विद्यार्थियों ने कहा कि स्वयं सहायता से जुड़े प्रश्न सरल थे जिससे उन्हें परीक्षा में मदद मिली। विद्यार्थियों ने बताया कि पेपर में इतिहास, भूगोल, राजनीति और अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न थे जो कि सरल थे।

विद्यार्थियों ने कहा कि पेपर में घुमा-फिराकर प्रश्न दिए गए थे। बीते वर्षों के प्रश्न पत्र दोहराने का परीक्षा में बहुत फायदा मिला।

9 विषयों में 7,905 विद्यार्थियों ने दी हरियाणा बोर्ड की 10वीं की परीक्षा

रोहतक। हरियाणा बोर्ड की ओर से शनिवार को 7,905 विद्यार्थियों ने 10वीं कक्षा के वैकल्पिक विषयों की परीक्षा दी। उड़नदस्तों व जिला प्रशासन की सख्ती से 9 विषयों में से किसी भी विद्यार्थी का नकल का केस नहीं बना। हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से शनिवार को 45 में से 43 केंद्रों पर 10वीं कक्षा के 8,097 में से 7,905 विद्यार्थी उपस्थित रहे जबकि 192 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। शिक्षा विभाग के अनुसार, सबसे अधिक शारीरिक शिक्षा विषय के विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसमें कुल 4,066 में से 3,930 विद्यार्थी उपस्थित रहे जबकि, 136 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा के 1,066 में से 1,059 उपस्थित व 7 अनुपस्थित रहे। म्यूजिकल हिंदूस्तानी में 467 में से 464 उपस्थित व 3 अनुपस्थित रहे। वहीं, जिले में उर्दू विषय का एक विद्यार्थी है और उसने भी परीक्षा नहीं दी।

10 साल के कब्जे के प्रमाण समेत कई दस्तावेज जरूरी, कागजात अधूरे होने से अटक रहे आवेदन

दस्तावेज पूरे न होने की वजह से नहीं मिल पा रहा लाल डोरे की संपत्ति का मालिकाना हक

■ लाल डोरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं जिनके पास कागजात तो हैं, लेकिन सभी का खसरा नंबर एक ही होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के लाल डोरा क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए स्वामित्व प्रमाण पत्र (स्वामित्व पत्र) एक बेहद अहम दस्तावेज माना जा रहा है, लेकिन इसे बनवाने की प्रक्रिया में कई लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य समस्या यह है कि कई लोगों के पास जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं हैं, जिसके कारण उनके आवेदन अटक रहे हैं। जिन लोगों के पास सभी कागजात उपलब्ध हैं, उनके प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं।

लाल डोरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं जिनके पास जमीन के कुछ कागजात तो हैं, लेकिन अधिकतर मामलों में सभी का खसरा नंबर एक ही होता है। ऐसी जमीन को देह आबादी जमीन कहा जाता है। कई परिवार पीढ़ियों से इन क्षेत्रों में रह रहे हैं, लेकिन उनके पास मलकियत से जुड़े सभी कानूनी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते। जानकारों का कहना है कि जिन लोगों के पास मलकियत के कागजात नहीं हैं, लेकिन वे निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं, वे भी स्वामित्व प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। वहीं जिन लोगों के पास मलकियत के कागजात मौजूद हैं, वे भी यह प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। इस प्रमाण पत्र के जरिए संपत्ति का रिकॉर्ड व्यवस्थित होता है और भविष्य में संपत्ति से जुड़े विवादों से भी राहत मिल सकती है।

लाल डोरा क्षेत्र में आते हैं ये इलाके

शहर में दरवाजा मोहल्ला, बाबरा मोहल्ला, डेयरी मोहल्ला, धोबी मोहल्ला, प्रधाना मोहल्ला, बोहर, बलियाना, कन्हेली, खेड़ी साध, माजरा, पहरावर, ब्राह्मणामंडी, कलालान मोहल्ला, केवल गंज, पाड़ा मोहल्ला, पारस मोहल्ला, पिथवाड़ा मोहल्ला, प्रताप मोहल्ला, डिबडी मोहल्ला, सुनारिया कलां, सुनारिया खुर्द, कायस्थान मोहल्ला, सलारा मोहल्ला, किला मोहल्ला और गढ़ी बोहर सहित कई स्थानों के निश्चित क्षेत्रों को लाल डोरा एरिया में शामिल किया।

प्रमाणपत्र होंगे जारी

नगर निगम सीमा में जिन नागरिकों की संपत्ति लाल डोरा क्षेत्र के अंतर्गत आती है उन संपत्ति धारकों को हरियाणा सरकार की ओर से लागू की गई पॉलिसी के अनुसार संपत्ति प्रमाणपत्र जारी किए जाने है। ऐसे लोग निगम में अपने दस्तावेजों के सहित आवेदन कर सकते हैं।

-नमिता कुमारी, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम

आखिर कब मिलेगी दुर्गा कॉलोनी और डीएलएफ के लोगों को राहत

सड़कों पर खड़े करने पड़ रहे वाहन

कोर्ट व लघु सचिवालय में पार्किंग का भारी टोटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के लघु सचिवालय और कोर्ट परिसर में पार्किंग की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। यहां रोजाना करीब सात से आठ हजार वाहन पहुंचते हैं। इतने बड़े स्तर पर वाहनों की आवाजाही के बावजूद पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा के लिहाज से यहां जाम लगना खतरे की सम्भावनाओं को बढ़ाता है।

जानकारी के अनुसार, लघु सचिवालय, कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्र में पार्किंग का ठेका दिया गया है, लेकिन रोज बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों के कारण पार्किंग की जगह पर्याप्त नहीं है। इसलिए लोगों को अपने वाहन आसपास की कॉलोनियों की गलियों में खड़े करने पड़ रहे हैं। इससे कॉलोनियों के निवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिनभर गलियों में वाहन खड़े रहने से आवाजाही बाधित रहती है और कई बार एंबुलेंस या अन्य आपातकालीन वाहन भी फंस जाते हैं। स्थिति उस समय और ज्यादा खराब हो जाती है जब आसपास के स्कूलों की बसें आती-जाती हैं। सुबह करीब 11 बजे से लेकर दोपहर साढ़े तीन बजे तक इलाके में भयंकर जाम लग जाता है। जाम के कारण आम लोगों के साथ-साथ सरकारी कार्यालयों में आने वाले कर्मचारियों और वकीलों को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

रोहतक। कोर्ट के बाहर पार्किंग में खड़े दुपहिया वाहन। फोटो : हरिभूमि

कहां कितनी क्षमता

कोर्ट परिसर : 2500 दुपहिया वाहन, 100 चार पहिया वाहन
लघुसचिवालय: 500 दुपहिया वाहन, 50 चार पहिया वाहन
ट्रेजरी ऑफिस : 200 दुपहिया वाहन 15 चार पहिया वाहन

यहां बनाई प्राइवेट पार्किंग

वाहनों के दबाव को देखते हुए अशोका चौक पर भी प्राइवेट पार्किंग बनाई गई है, लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं है। कोर्ट और लघु सचिवालय में रोजाना हजारों की संख्या में लोग आते हैं, जिनमें वकील, कर्मचारी, फरियादी और अन्य लोग शामिल होते हैं। कोर्ट में करीब 5300 वकील पंजीकृत हैं। अलग-अलग विभागों के कर्मचारी और आम नागरिक भी यहां पहुंचते हैं।, वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

होते हैं झगड़े

यहां पार्किंग की इतनी बड़ी समस्या है कि इसे लेकर अक्सर झगड़े भी होते रहते हैं। इसकी वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार पुलिस बुलाने की नौबत भी आ जाती है।

रोज हजारों लोगों का आना-जाना

बार एसोसिएशन परिसर और कोर्ट में रोजाना हजारों अधिवक्ताओं, फरियादियों, सरकारी कर्मचारी और अन्य लोगों का आना जाना रहता है। हजारों वाहनों के लिए पार्किंग बनाई गई है लेकिन जगह पर्याप्त नहीं है। अभी कोर्ट शिफ्ट से सम्बंधित कोई पत्र भी नहीं मिला है।

-**दीपक हुड्डा,** प्रधान, जिला बार एसोसिएशन

कई योजनाएं बनेंगी

भविष्य में ऐसी कई योजनाएं बनेंगी जिससे पार्किंग की समस्या का समाधान हो जाएगा। शहर के हर चौराहे पर एक पार्किंग विकसित करने की योजना है। जल्द ही इन योजनाओं पर काम शुरू होगा और आमजन को लाभ मिलेगा। इसके अलावा कोर्ट शिफ्टिंग से भी शहर को काफी फायदा होगा।

-**मनीष ग्रोवर,** पूर्व सहकारिता मंत्री

मदवि में शिफ्ट की जाएगी कोर्ट : हालांकि अब कोर्ट को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की जमीन में शिफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है। माना जा रहा है कि यदि कोर्ट को नए परिसर में शिफ्ट कर दिया जाता है तो लघु सचिवालय के आसपास वाहनों का दबाव कुछ हद तक कम हो सकता है। नए परिसर में पर्याप्त पार्किंग और बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था होने से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

मेरा शहर मेरी समस्या हनुमान कॉलोनी

लोग बोले, समाधान नहीं हुआ तो करेंगे प्रदर्शन

सीवर ओवरफ्लो ने बढ़ाई समस्या कॉलोनी में बीमारियों का खतरा बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गंदे पानी की वजह से बीमारियां फैलने की आशंका, महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा।

शहर के वार्ड नंबर 6 स्थित हनुमान कॉलोनी में पिछले कई महीनों से सीवर ओवरफ्लो की गंभीर समस्या बनी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नवंबर 2025 से गली में लगातार सीवर का गंदा पानी भर रहा है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। लोगों ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग करते हुए समाधान करवाने के लिए लिखा है। उनका कहना है कि गंदे पानी की वजह से बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

- लोग बोले, गली में सीवर का गंदा पानी भरा रहता है जिससे बाहर आना-जाना भी मुश्किल हो गया

दुर्गंध से जीना हुआ मुश्किल

ओमपति देवी ने बताया कि गली में भरे गंदे पानी के कारण पूरे क्षेत्र में तेज दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कॉलोनी के बच्चों के लिए गली में खेलना तक मुश्किल हो गया है, जबकि बुजुर्गों और महिलाओं को भी रोजमर्रा की आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गली से गुजरने में भी भारी दिक्कत

सरला ने बताया कि 22 जनवरी को कॉलोनीवासियों की ओर से इस संबंध में दो लिखित आवेदन भी दिए गए थे, जिनकी प्रतियां संबंधित विभाग को सौंपी गई थीं। इसके बावजूद आज तक समस्या जस की तस बनी हुई है और गली में सीवर का पानी लगातार ओवरफ्लो हो रहा है। लोगों को गली से गुजरने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

जल्द किया जाए समाधान

वीरेंद्र का कहना है कि इस समस्या के समाधान के लिए पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट रोहतक के अधिकारियों जई पवन कादियान सहित अन्य अधिकारियों को कई बार शिकायत दी जा चुकी है। इसके अलावा वार्ड नंबर 6 के पार्षद सुरेश किराड को भी कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

गंभीरता से हो कार्रवाई

पवन ने मांग की है कि सीवर लाइन की तुरंत सफाई करवाई जाए और तकनीकी जांच कराकर स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। कॉलोनीवासियों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई करेगा। तभी लोगों कुछ राहत मिल सकेगी। प्रशासन जल्द से जल्द समाधान करवाए।

खबर संक्षेप

नगर पालिका महम की बैठक 10 मार्च को

महम। वर्ष 2026-27 का बजट पास करने के लिए महम नगर पालिका की विशेष बैठक बुलाई गई है। नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर ने बताया कि नगर पालिका चेयरमैन भारती पंवार की अध्यक्षता में 10 मार्च को सुबह 11 बजे यह बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में भाग लेने के लिए लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, विधायक बलराम दांगी समेत सभी पार्षदों को बैठक की सूचना भेजी गई है। -

भारत इतिहास रचने से एक कदम दूर : अमित

रोहतक। जनता कॉलोनी निवासी भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद अमित बंसल ने कहा भारतीय क्रिकेट टीम इतिहास रचने से एक कदम दूर है। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार का फाइनल जीत लेती है तो वह लगातार दो बार वर्ल्ड कप 20-20 जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी । अभी तक किसी भी टीम ने लगातार दो बार 20-20 वर्ल्ड कप नहीं जीता है। बंसल ने कहा भारतीय टीम के वर्ल्ड कप जीतने पर देश में होली और दिवाली एक साथ मनेगी।

शिविर में 325 नेत्र रोगियों की जांच की

रोहतक। जन सेवा संस्थान रोहतक की ओर से भिवानी रोड स्थित वृद्ध आश्रम में संस्थान अध्यक्ष महामंडलेश्वर डा. स्वामी परमानन्द महाराज के सानिध्य में मुख्य अतिथि केएल अरोड़ा द्वारा दीप प्रज्वलित करके निः शुल्क नेत्र जाँच एवं ऑपरेशन शिविर लगाया गया। इस कैम्प में डॉ. नीरज दुआ, डॉ. राकेश चावला, जी द्वारा 325 रोगियों की जांच की गई और दवाई प्रदान की गई।

किशनगढ़ के साहिल गोयत बने लेफ्टिनेंट

महम। किशनगढ़ के साहिल गोयत पुत्र संजय गोयत भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए हैं। ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी चेन्नई में पासिंग आउट परेड हुई। इस परेड में साहिल की दादी शांति देवी, नानी विद्यावती, पिता संजय गोयत, चाचा डॉ. अश्वनी गोयत और चाचा डॉ. सुशील गोयत शामिल हुए।

सशक्त मन ही खुशनुमा जीवन का आधार: बीके शालू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीटीसी सुनारिया में पदोन्नति के लिए ट्रेनिंग में आए हुए पुलिसकर्मियों के लिए तनावमुक्त एवं खुशनुमा जीवन बनाने के लिए मेडिटेशन सत्र आयोजित किया गया।

मेडिटेशन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में ब्रह्माकुमारीज संस्था से बीके शालू बहन ने बताया खुशनुमा जीवन जीने की शुरुआत स्वयं के साथ हर रोज कुछ समय बिता कर होती है। जैसे शरीर को शुद्ध, सात्विक भोजन, विश्राम और व्यायाम की आवश्यकता होती है वैसे ही मन को भी शुद्ध, श्रेष्ठ विचार और कुछ पल शांति में बीता

कर सशक्त बनाया जा सकता है। एक सशक्त मन ही खुशनूमा जीवन का आधार है। बीके सीमा बहन ने बताया मेडिटेशन अर्थात मन को दिशा देना, स्वयं से जुड़ना और परमात्मा से जुड़ना है, जिससे हमारी आंतरिक शक्ति जागृत होती है और जीवन में आने वाली समस्याओं को सहजता से पार कर पाते है। मेडिटेशन से होने वाले फायदे बता कर मेडिटेशन द्वारा शांति का अनुभव कराया, जिससे मन सशक्त होता है।रिटायर्ड ब्रिगेडियर हरबीर सिंह ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्था की सिक्योरिटी सर्विस विंग अपनी सेवाओं के द्वारा समस्त भारत की सिक्योरिटी फोर्सेज के जीवन को खुशनूमा बनाने के लिए मेडिटेशन सत्र लिए जाते है। रिटायर्ड आईजी (इंडियन कॉस्ट गार्ड) कुलदीप सिंह ने बताया क्रोध के ऊपर की गई रिसर्च को सांझा किया।

वार्ड-7 की समस्याएं चंडीगढ़ तक गूंजी, पार्षद कपिल नागपाल ने सीएम को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के वार्ड-7 में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत समस्याओं की गूंज अब चंडीगढ़ तक पहुंच गई है। वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल ने चंडीगढ़ पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंपा और जल्द समाधान करवाने की मांग की। पार्षद कपिल नागपाल ने बताया कि वार्ड-7 के

अंतर्गत आने वाले किला मोहल्ला, पाड़ा मोहल्ला, तेज कॉलोनी, गोहाना अड्डा, साईं दास कॉलोनी, संजय नगर, महावीर कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, गुरु नानकपुरा, राहड़ जोहड़ सहित कई अन्य कॉलोनियों में सीवर और पानी की समस्या काफी समय से बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह इलाका शहर का पुराना हिस्सा है और यहां बिछाई गई पानी व सीवर की लाइनों की हालत अब काफी जर्जर हो चुकी है। कई बार नगर निगम के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत करवाया जा चुका है।

हत्या मामले में एक और आरोपी किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने निंदाना निवासी युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब पुलिस ने एक अन्य आरोपी यामीन पुत्र नवाब निवासी अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) को दिल्ली की तिहाड़ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर हासिल कर गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है और वह पहले से ही तिहाड़ जेल में बंद था। पुलिस ने रिमांड पर लिया है।

नई शिक्षा नीति 2020 पर एमडीयू में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आगाज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूजीसी मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) और महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित आठ दिवसीय ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम का शनिवार को शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 7 से 14 मार्च तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों से 100 से अधिक शिक्षक भाग ले रहे हैं।कार्यक्रम के पहले सत्र में कुमाऊं विश्वविद्यालय के एमएमटीटीसी की निदेशक दिव्या जोशी उपाध्याय ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में समाज और उच्च शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में दिल्ली विवि की प्रोफेसर युक्ति शर्मा ने छात्र विविधता और कक्षा-कक्ष की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

घुसकानी और खिड़वाली समेत कई गांव महिला सशक्तिकरण के गवाह

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

जिस हरियाणा प्रदेश को बेटियों की गिरती संख्या के लिए कोसा जाता है। उसी में एक दौर ऐसा भी था कि जब महिलाएं ही पूरे समाज का नेतृत्व करती थी। यही वजह है कि रोहतक जिले में आज भी दर्जनों गांव महिलाओं के नाम पर आबाद हैं। इनमें कई गांव तो 800-900 साल पहले आबाद हुए थे। घुसकानी, सांघी,रुड़की, भगवतीपुर, कन्हैली, पोलंगी, किलोई, मकड़ौली ये केवल शब्द नहीं हैं। बल्कि ये शब्द हमें एहसास करा रहे हैं कि सैकड़ों साल पहले महिलाएं इतनी सशक्त थी कि वे उनके नाम से गांव बसते थे। जिले के कई और गांव ऐसे हैं, जिनका नाम जुबान पर आते ही महसूस होता है कि उपरोक्त शब्द स्त्रीलिंग हैं। स्त्रीलिंग हैं तो फिर ये फक्र भी होने लगता है कि महिलाएं सैकड़ों साल पहले भी इतनी सशक्त थी कि इन्होंने अपने नाम के गांव खुद बसाए। जिले में 142 पंचायतें हैं। कुछ गांवों को अपवाद मान लें तो बाकि में एक ही पंचायत है। भारत के ग्रामीण समाज में अधिकांश गांवों और स्थानों के नाम पुरुषों, राजाओं या जातीय समुदायों के नाम पर रखे गए हैं। ऐसे में जब किसी गांव, सड़क या किसी सार्वजनिक स्थान का नाम किसी महिला के नाम पर होता है तो यह लोगों के लिए गर्व और सम्मान की बात बन जाती है। इससे न केवल उस महिला की पहचान को सम्मान मिलता है।

गर्व महसूस करवाते हैं ये गांव

गिझी,मोरखेड़ी, बैंसी, चांदी, चिड़ी, घरौठी, खरैंटी, सिसरौली, टिटौली, बनियानी, माली आनंदपुर,गढ़ी बलम, गरनावठी, गुढाण, जिंदरान(कलानौर), लाहली, खैरड़ी, सैमाण, सीसर, बहु अकबरपुर, बहु जमालपुर, भगवतीपुर, चमारिया, डोभ, घुसकानी, जिंदराण (रोहतक),कान्ही, खिड़वाली, किलोई, लाढोत, मकड़ौली कलां, मकड़ौली खुर्द, मुंगाण,पोलंगी, रिटौली, रुड़की, सांघी, शिमली शब्द बोलते हुए ये महसूस होता है कि जैसे ये स्त्रीलिंग हैं। गांव कैसे और किसने बसाए, इनकी थोड़ी बहुत जानकारी मिली है।

महिलाएं भी समाज की बराबर की भागीदार

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर महिलाएं परिवार और समाज के लिए महत्वपूर्ण काम करती हैं, लेकिन उन्हें पहचान कम मिलती है। ऐसे में किसी गांव या स्थान का नाम महिला के नाम पर होना एक सकारात्मक सामाजिक संदेश देता है कि महिलाएं भी समाज की बराबर की भागीदार हैं। आजकल तो घरों के बाहर नेम प्लेट पर परिवार की सबसे बड़ी महिला का नाम लिखने की पहल शुरू की गई। झारखंड के घरों की नेम प्लेट पर मां और बेटियों के नाम लिखे जाने लगे, जिससे महिलाओं को पहली बार सार्वजनिक पहचान मिलने का एहसास हुआ।

भगवतीपुर गांव भगवती नाम की महिला ने बसाया

किंदवतियों में बताते हैं कि भगवतीपुर गांव भगवती नाम की महिला ने बसाया। ये महिला भगवतीपुर के साथ लगते गांव समरगोपालपुर की थी। समरगोपालपुर में कहासुनी हुई तो इन्होंने गांव को छोड़ दिया और एक डेढ़ कोस की दूरी पर भगवतीपुर बसा लिया। घुसकानी गांव भी महिला के नाम पर बसा है। खिड़वाली गांव के रामफूल हड्डा ने बताया कि हुड्डा गौत्र का निकासी गांव खिड़वाली है। करीब 900 साल पहले ये गांव आबाद हुआ था। खिड़वाली गांव की निकासी के कई गांव ऐसे हैं, जो इस समय महिलाओं के नाम पर हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
विशेष
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
P-1
रोहतक,रविवार 8 मार्च 2026

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिविली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गईं कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलाव: पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। दिल्ली, बेंग्लुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

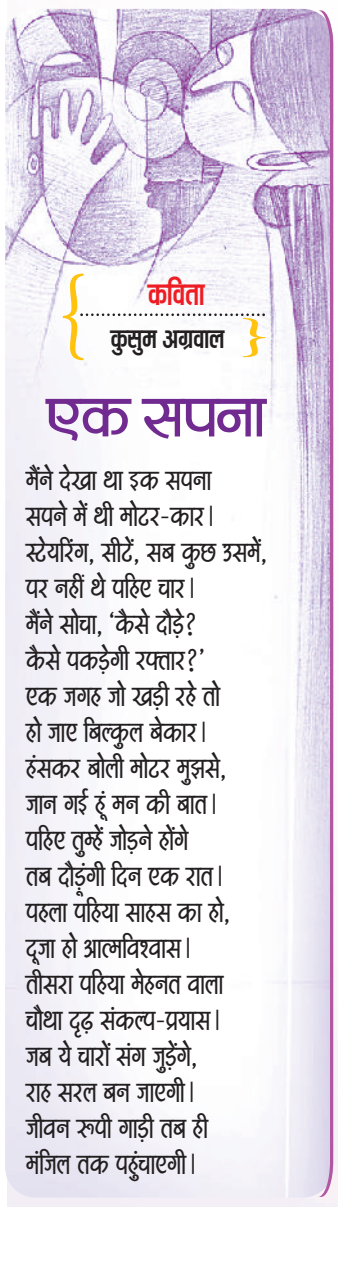

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

एआई इमेज

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं !

शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

एआई इमेज

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

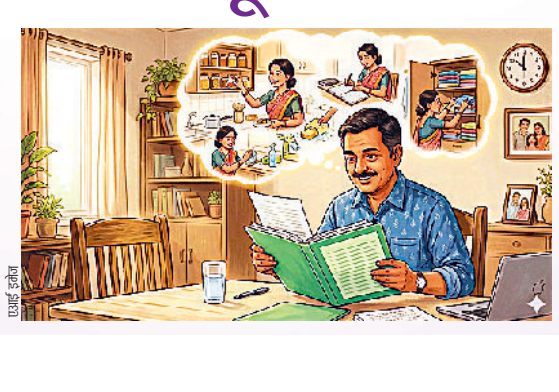
एआई इमेज

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुंशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादन: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

विगत 5 मार्च से आरंभ हुआ गोवा का शिग्मो उत्सव, आगामी 18 मार्च तक आयोजित होगा। यह गोवा की सांस्कृतिक पहचान है। यह उत्सव स्थानीय निवासियों की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और उन्हें अपनी परंपरा पर गर्व करने का अवसर भी देता है। इस उत्सव की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

गोवा की लोक-संस्कृति का रंगोत्सव शिग्मो

सांस्कृतिक पर्व

धीरज बसाक

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गोवा, अपनी समुद्र तटीय सुंदरता के कारण पर्यटकों के बीच जितना लोकप्रिय है, उतना ही अपने समृद्ध लोक संस्कृति के कारण भी यह प्रसिद्ध है। गोवा लोक संस्कृति का सबसे समृद्ध घर माना जाता है और इस समृद्ध लोक संस्कृति का सबसे जीवंत और रंगीन प्रतीक है शिग्मो फेस्टिवल या शिग्मो उत्सव। शिग्मो उत्सव केवल एक वार्षिक पर्व भर नहीं है, बल्कि गोवा के ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं, लोक नृत्यों और ऐतिहासिक स्मृतियों का संवेदनशील और सामूहिक उत्सव भी है।

वसंत के आगमन का उत्सव

वास्तव में शिग्मो, गोवा का पारंपरिक वसंत उत्सव है, जो होली से शुरू होकर चैत्र माह में एक पखवाड़े तक मनाया जाता है। इसलिए शिग्मो उत्सव को गोवा की लोक आत्मा का उत्सव कहते हैं। क्योंकि इसमें यहां के किसान, मजदूर और ग्रामीण समुदायों की जीवनशैली, उनकी आस्था और उनकी ऐतिहासिक चेतना पूरी भव्यता के साथ अभिव्यक्त होती है। शिग्मो का अर्थ है शिशिरोत्सव अर्थात शीत ऋतु के अंत और वसंत के आगमन का उत्सव। यह पर्व प्राचीन काल से गोवा के कुछ समुदायों द्वारा मनाया जाता रहा है। फसल कटाई के बाद जब किसान अपनी मेहनत के फल से संतुष्ट होते हैं तो प्रकृति और देवताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शिग्मो उत्सव मनाते हैं।

एक हजार साल पुराना उत्सव

इतिहासकारों के मुताबिक शिग्मो उत्सव मनाने की परंपरा कम से कम 1000 साल पुरानी है। पुर्तगाली शासन के दौरान भी गोवा के स्थानीय लोगों ने इस उत्सव को अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में बनाए रखा। वास्तव में यह उत्सव गोवा के हिंदू समुदाय के लिए विशेष मायने रखता है। लेकिन इसकी लोक-रंगत और सांस्कृतिक आकर्षण के कारण आज इसमें सभी समुदायों की भागीदारी होती है।

कई लोकनृत्यों का आयोजन

शिग्मो उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत के भव्य आयोजन होते हैं। इन नृत्यों में गोवा के ग्रामीण जीवन, युद्ध कथाओं, पौराणिक प्रसंगों और सामाजिक घटनाओं को प्रस्तुत किया जाता है। शिग्मो उत्सव में शामिल प्रमुख लोक नृत्यों में घोड़े मोदनी नृत्य सबसे प्रमुख है। वास्तव में यह योद्धाओं का नृत्य होता है। माना जाता है कि प्राचीनकाल में विजयी योद्धा, घोड़ों पर सवार होकर नृत्य किया करते थे। लेकिन आज लोक कलाकार घोड़े की मुखाकृति के मुखौटे पहनकर और हाथ में तलवार लेकर नृत्य करते हैं। यह नृत्य वास्तव में गोवा के गौरवमयी इतिहास का प्रतीक है। इस उत्सव का दूसरा प्रमुख नृत्य हैं-रोमातामेल। यह सामूहिक नृत्य है, इसमें कलाकार ढोल, ताशा और झांझे की धुन पर नाचते हैं। इनके अलावा जो प्रमुख नृत्य इस उत्सव में खूब देखने को मिलते हैं, उसे फुगड़ी और जागर नृत्य कहते हैं। ये नृत्य गोवा के ग्रामीण और आदिवासी जीवन को दर्शाते हैं। इन प्रमुख नृत्यों के माध्यम से गोवा में लोग शिग्मोत्सव में सदियों से चली आ रही अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करते हैं।

निकलती हैं भव्य झांकियां

शिग्मो उत्सव के दौरान गोवा के प्रमुख शहरों जैसे पणजी, मडगांव, वास्को, पोंडा और मापुसा में भव्य शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। इन शोभा यात्राओं में रंग-बिरंगी झांकियां होती हैं, जो पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक विषयों को दर्शाती हैं। इन झांकियों में रामायण और महाभारत के दृश्य, गोवा के लोक देवताओं की कथाएं, पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक जागरूकता के संदेश दिए जाते हैं। यह परंपरा आधुनिक, सामाजिक चेतना का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करती है।

ग्रामीण और शहरी शिग्मो

ग्रामीण और शहरी शिग्मो उत्सव वैसे एक-दूसरे से थोड़े भिन्न होते हैं, लेकिन ये दो रूप भले अलग हों, लेकिन उनकी आत्माएं एक होती हैं। इन दो अलग-अलग यानी शहरी और ग्रामीण शिग्मो को क्रमशः धाकटो शिग्मो यानी छोटा शिग्मो और व्हाडलो शिग्मो यानी बड़ा शिग्मो कहा जाता है। छोटा शिग्मो ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है, जो ज्यादा पारंपरिक होता है और बड़ा शिग्मो, शहरी क्षेत्रों में आयोजित होता है और इसमें बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक झांकियां और शोभा यात्राएं निकाली जाती हैं। ग्रामीण शिग्मो में ज्यादा पारंपरिक और धार्मिक तत्व शामिल होते हैं, जबकि शहरी शिग्मो में पर्यटन और बहु-सांस्कृतियों का प्रदर्शन अधिक होता है, क्योंकि शहरी शिग्मो में बड़े पैमाने पर यहां आने वाले पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं।

संस्कृति-संरक्षण का माध्यम

शिग्मो उत्सव केवल एक पारंपरिक लोक त्योहार भर नहीं बल्कि गोवा की सांस्कृतिक धड़कन है। शिग्मो के रंग, संगीत और नृत्य गोवा के लोगों की आत्मा को अभिव्यक्त करते हैं। इसके जरिए पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपराओं को संरक्षण मिलता है। यह विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सहयोग की भावना बढ़ाता है। यह महोत्सव युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। आज के आधुनिक और वैश्विक युग में जब कई पारंपरिक उत्सव अपनी पहचान खो रहे हैं, तब शिग्मो उत्सव गोवा की सांस्कृतिक निरंतरता का पर्याय बन गया है। *

क्या आप अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करते हैं, लेकिन इसे प्राप्त नहीं कर पाते? ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि किन वजहों से आप अपने लक्ष्य से दूर रह जाते हैं और किन बातों का ध्यान रखकर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जानिए।

आप क्यों रह जाते हैं अपने लक्ष्य से दूर

सेल्फ मोटिवेशन

शिखर चंद जैन

कई लोग प्लान बनाते हैं, लक्ष्य भी तय करते हैं, लेकिन उन्हें कभी अचीव ही नहीं कर पाते। हम सभी जानते हैं कि जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है- लक्ष्य का निर्धारण। लक्ष्य वह मार्गदर्शक है, जो हमें भीड़ में खोने से बचाता है और चुनौतियों से लड़ने का साहस देता है। किसी भी महान कार्य की शुरुआत एक छोटे से संकल्प से ही होती है, जो आगे चलकर एक स्पष्ट लक्ष्य का रूप ले लेता है।

सोचना पर्याप्त नहीं: 'मैं यह करना चाहता हूं' ऐसा सोचकर लक्ष्य बनाना काफी नहीं है। स्पष्टता ही लक्ष्य की प्राप्ति में सफलता की पहली शर्त है। जब आप गहराई से समझ लेते हैं कि आप कौन हैं, आप वास्तव में क्या चाहते हैं और आपको कहां पहुंचना है, तभी आप एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में दस गुना अधिक व तेज उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि वह उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है।

स्वयं का करें आकलन: स्वास्थ्य, आनंद, रिश्ते और वित्तीय स्वतंत्रता, ये जीवन के चार स्तंभ हैं, जिन्हें संतुलित करके आप असाधारण सफलता पा सकते हैं। जब आप इन चार क्षेत्रों में से हर एक में खुद को 1 से 10 अंक देकर ईमानदारी से आकलन करते हैं तो आपको तुरंत समझ आने लगता है कि आपके जीवन की सबसे ज्यादा समस्याएं किस क्षेत्र से जुड़ी हैं? जाहिर है, वहीं जहां आपका स्कोर कम होता है। यानी उसी बिंदु पर सबसे अधिक फोकस करने की जरूरत होती है।

अपना दृष्टिकोण तय करें: लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आपकी मानसिकता दो तरह की हो सकती है, समृद्धि का दृष्टिकोण या अभाव का दृष्टिकोण। समृद्धि का दृष्टिकोण आपको आत्मविश्वासी, सकारात्मक और समाधान केंद्रित बनाता है। आप दुनिया को अवसरों से भरा मानते हैं और यह विश्वास रखते हैं कि जीवन में आगे बढ़ने का अच्छा समय है। आप में यह जागरूकता बनी रहती है कि दुनिया में चुनौतियां हमेशा थीं, हैं और रहेंगी। मगर आप अपनी ऊर्जा इस बात पर केंद्रित रखते हैं कि क्या बेहतर किया जा सकता है? यह सोच आपको रचनात्मक, सक्रिय और लक्ष्य उन्मुख बनाती है। वास्तव में लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि ऐसा उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है। जब इंसान की आंखों में एक स्पष्ट स्वप्न और उसे पाने का दृढ़ निश्चय होता है, तो वह साधारण से असाधारण बनने का सफर शुरू कर देता है। इसके विपरीत दूसरा दृष्टिकोण आपको सीमित कर देता है। इसमें आप किस्मत के भरोसे बैठ जाते हैं और तरह-तरह के बहाने बनाने लगते हैं। इस दृष्टिकोण से कभी कुछ हासिल नहीं हो पाता है।

लक्ष्य पर शिद्दत से टिके रहें: अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि आप इन्हें क्यों हासिल करना चाहते हैं? अगर यह केवल सतही कारणों से या दूसरों की उम्मीद पर खरा उतरने के लिए है तो आप उसके प्रति गंभीर नहीं हो पाएंगे। इसकी बजाय स्पष्ट रूप से यह जानें कि इन लक्ष्यों का आपके आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, पारिवारिक या व्यक्तिगत जीवन पर क्या असर पड़ने वाला है? इससे आपको अपने लक्ष्य पर टिके रहने का हौसला मिलेगा।

मुश्किल लक्ष्यों को आसान बनाएं: अपने लक्ष्यों को सफल बनाने के लिए उन्हें स्पष्ट और छोटे हिस्सों में विभाजित कर लें। उन्हें प्रबंधनीय और ठोस कदमों में विभाजित करें। साथ ही अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय और प्राथमिकता दें। उन्हें अपने कैलेंडर में किसी महत्वपूर्ण बैठक की तरह रखें और तय समय पर उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। हां, अपने संकल्पों के रास्ते में जरा लचीले भी रहें, क्योंकि जीवन में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। योजनाओं में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें। किसी गलती या असफलता पर झुंझलाने या हार मानने की बजाय खुद को माफ करें और आगे बढ़ें। अपनी प्रगति की समीक्षा भी करते रहें। *

समझ लें सटीक फॉर्मूला

आपके लक्ष्य छोटे हों या बड़े, उनमें सफलता जरूर मिलेगी अगर आप अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और उसे पाने का सही फॉर्मूला जान लें। इसके लिए कुछ बातों को समझ लें।

- लक्ष्य की कोई डेडलाइन ना हो तो वह सिर्फ एक कल्पना या सपना मात्र बनकर रह जाता है। इसलिए हर लक्ष्य की एक समय सीमा तय करें।
- लक्ष्य और समय सीमा तय हो जाए तो वह आपका उद्देश्य बन जाता है। इसे पूरा करने की योजना बनाएं।
- लक्ष्य पाने के लिए आपको निरंतरता का भी ध्यान रखना होगा। यानी आपको नियमित रूप से अपने लक्ष्य को हासिल करने में जुटा रहना पड़ेगा।

जानकारी

अंजू जैन

आजादी के बाद, भारत में तेजी से विकसित हो रहे सरकारी औद्योगिक उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता थी, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण थे। इसके लिए एक मजबूत सुरक्षाबल की जरूरत महसूस की गई। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 10 मार्च 1969 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) की स्थापना की गई। भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा इसका गठन किया गया, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। इस सुरक्षा बल का ध्येय वाक्य है-संरक्षण और सुरक्षा।

आगामी 10 मार्च को सीआईएसएफ का 57वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। देश की महत्वपूर्ण धरोहरों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के योगदान और भूमिका पर एक नजर।

धरोहरों-औद्योगिक प्रतिष्ठानों का रक्षक सीआईएसएफ

प्रमुख कार्य

अपने नाम के मुताबिक ही सीआईएसएफ का प्रमुख आरंभिक कार्य औद्योगिक सुरक्षा ही था। सरकारी कारखानों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और बिजली संयंत्रों की सुरक्षा का जिम्मा इस बल को दिया गया। बाद में समय-समय पर इसकी जिम्मेदारियां बढ़ती गईं। आगे चलकर यह अर्धसैन्यबल हवाई अड्डों, बंदरगाहों और मेट्रो की सुरक्षा कार्य भी करने लगा। इस बल के जवान देश की ऐतिहासिक इमारतों, स्मारकों और धरोहरों जैसे-लाल किला, ताजमहल आदि की रक्षा भी करते हैं। वीआईपी सुरक्षा के तहत विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करना भी इनकी जिम्मेदारी में शामिल है।

बढ़ता संख्या बल

जब 1969 में सीआईएसएफ की शुरुआत हुई थी, तब इसमें सिर्फ 2,800 जवान थे। आज यह दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा बलों में से एक है, जिसमें 2,00,000 (दो लाख) से भी ज्यादा जवान शामिल हैं।

आग बुझाने में भी माहिर

सीआईएसएफ के पास अपना एक खास 'फायर विंग' भी है। यह भारत का अकेला ऐसा सुरक्षा बल है, जिसके पास फैक्ट्रियों और उद्योगों में आग बुझाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित टीम होती है।

स्मार्ट डॉग स्क्वाड

सीआईएसएफ के पास बहुत ही स्मार्ट डॉग्स की तेजतर्रार स्क्वाड भी है। इनके डॉग्स इतने ट्रेंड होते हैं कि वे छिपी हुई खतरनाक चीजों का पलक झपकते ही पता लगा लेते हैं। कई बार सीआईएसएफ के डॉग स्क्वॉड ने शातिर किस्म की साजिशों का भंडाफोड़ किया है।

एयरपोर्ट सुरक्षा में संलग्न

देश के तमाम एयरपोर्ट्स पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को उनकी विशिष्ट विशेषज्ञता, उन्नत तकनीक के कारण तैनात किया गया है। वे हवाई अड्डे की सुरक्षा के विशेषज्ञ माने जाते हैं, जो यात्रियों की तलाशी, सामान की स्क्रीनिंग और आतंकवाद विरोधी अभियानों में उच्च दक्षता प्रदान करते हैं। इन सैनिकों को विशेष रूप से नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो सामान्य पुलिस या दूसरे अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण से अलग होती है। सन् 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण के बाद, भारत सरकार ने सुरक्षा मजबूत करने के लिए हवाई अड्डों की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपने का निर्णय लिया। इसकी शुरुआत फरवरी 2000 में जयपुर हवाई अड्डे से की गई। ये अर्धसैनिक, आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके यात्रियों की गहन तलाशी और हैंड बैगेज की जांच सुनिश्चित करते हैं, जो एयरपोर्ट सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। ये अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हैं, जो अन्य सुरक्षा बलों की तुलना में अधिक उपयुक्त हैं। साथ ही इस बल के जवान संभावित खतरों के लिए 24X7 निगरानी करते हैं और त्वरित प्रतिक्रिया टीम के साथ किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम होते हैं। ये एयरपोर्ट के संवेदनशील क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों को पकड़ने और किसी भी प्रकार की तस्करी को रोकने में भी माहिर होते हैं। वर्तमान में 70 से अधिक एयरपोर्ट्स पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती है। यद्यपि अब देश के लगभग 60 हवाई अड्डों पर गैर-प्रमुख ड्यूटी के लिए निजी सुरक्षा गार्ड्स भी लगाए जा रहे हैं, लेकिन प्रमुख सुरक्षा और स्क्रीनिंग का काम अभी भी मुख्य रूप से सीआईएसएफ ही करती है। *

महिलाएं भी नहीं हैं पीछे

देश के अन्य सुरक्षा बलों पुलिस, पीएसी, बीएसएफ और सशस्त्र सैन्य (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) बलों की तरह ही सीआईएसएफ में भी महिलाएं अपनी सेवाएं दे रही हैं। वर्तमान में इस अर्धसैन्य बल में लगभग साढ़े बारह हजार यानी आठ प्रतिशत महिलाएं तैनात हैं। सरकार का लक्ष्य जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाकर दस प्रतिशत करने का है। मुख्य तौर पर महिलाएं एविएशन सुरक्षा, क्विक रिएक्शन टीम और सीआईएसएफ कमांडो टीम में शामिल होकर अपनी सेवाएं दे रही हैं। किसी भी अन्य सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस की तुलना में सीआईएसएफ में सबसे अधिक महिलाएं कार्यरत हैं।

स्त्रियों के संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों का विषय बनाया जाता रहा है। आज महिला दिवस के अवसर पर हम आपको कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें स्त्री संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को प्रमुखता से उभारा गया है।

फिल्मों में खूब दिखीं महिला संघर्ष-शक्ति की कहानियां

सिने ट्रेंड

अशोक जोशी

हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा में स्त्रियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिन दिनों सिनेमा की शुरुआत हो रही थी, उसमें महिलाओं का काम करना अघोषित रूप से प्रतिबंधित माना जाता था। तब पुरुष कलाकार ही नारी का स्वांग भर पर्दे पर नजर आया करते थे। लेकिन कुछ समय बाद पर्दे पर नायिकाओं के पर्दापण से अब तक स्त्री कलाकार, सिनेमा का सबसे अनिवार्य हिस्सा बन गई हैं। फिल्मों में समय-समय पर नारी जीवन से जुड़ी समस्याएं, संघर्ष और उनके सशक्तिकरण जैसे विषयों को गंभीरता से प्रदर्शित किया जाता रहा है।

बेमेल विवाह की समस्या: हिंदी सिनेमा में वी. शांताराम, नारी समस्याओं को पर्दे पर सशक्त तरीके से उठाने वाले फिल्मकार थे। उनकी 1937 में प्रदर्शित फिल्म 'दुनिया न माने' बेमेल विवाह की समस्या पर केंद्रित थी। यह फिल्म स्त्रीत्व की गरिमा को बेहद खूबसूरती से उभारती है। शांता आप्टे ने नायिका नीरा की भूमिका में प्राण फूंक दिए थे। नारी को भोग्या, चरणों की दासी और वस्तु मानने वालों को यह फिल्म प्रभावी सबक सिखाती है।

जातिगत विसंगतियों पर कटाक्ष: 1936 में प्रदर्शित फिल्म 'अछूत कन्या' सवर्ण लड़के और अछूत लड़की की एक दारुण प्रेम कहानी है। यह एक दुःखांत फिल्म है। इस वर्जित और उपेक्षित विषय को पहली बार फिल्म के माध्यम से लोगों के बीच लाने का साहसिक प्रयास किया गया था। इससे मिलते-जुलते विषय पर 1959 में विमल राय ने 'सुजाता' बनाई, जो फिर से अछूत युवती और सवर्ण युवक के प्रेम की कहानी है। विमल राय की यह फिल्म आजादी के बाद इस विषय पर बनाई गई पहली फिल्म थी। इस फिल्म के एक दृश्य में रवींद्रनाथ ठाकुर कृत नाटक 'चांडालिका' का मंचन किया जाता है। इस नाटक में भगवान बुद्ध अछूत स्त्री के हाथों से पानी पीते हैं और सभी जातियों की समानता को व्याख्यायित करते है। राजकपूर और मीना कुमारी की ख्वाजा अब्बास निर्देशित फिल्म 'चार दिल चार राहें' की कहानी भी ऐसे ही विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। इसी क्रम में श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'भुवन शोम', 'मृगया', 'भूमिका', 'मंडी', 'चक्र' आदि में हाशिए पर धकेल दी गई स्त्रियों की सामाजिक स्थिति की दर्दमय झांकी प्रस्तुत की गई हैं।

दिखे स्त्री संघर्ष के विविध रूप: हिंदी फिल्मकारों ने भारतीय स्त्री के सभी रूपों को अपनी फिल्मों में प्रस्तुत किया है। घरेलू स्त्री, कामकाजी स्त्री, किसान स्त्री, विवाहित और अविवाहित स्त्री, जुझारू स्त्री, संघर्षशील स्त्री और अन्याय, अत्याचार से लड़ने वाली स्त्री के कई रूप हिंदी फिल्मों में नजर आते रहे हैं। महबूब खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'औरत' और उसका संशोधित संस्करण 'मदर इंडिया' भारतीय नारी के संघर्ष और त्रासदी की महागाथा है, जिसमें ग्रामीण महाजनी सभ्यता की क्रूरता और अत्याचार से लड़ती हुई नारी की मार्मिक कहानी है। ग्रामीण सामंती अत्याचार से उत्पन्न डाकू समस्या को उजागर करने वाली फिल्मों में नारी की विवशता को 'मुझे जीने दो', 'गंगा जमुना', 'जिस देश में गंगा बहती है' और शेखर कपूर की 'बैंडिट क्वीन' में प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा गया है।

राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लज्जा' में समाज के अलग-अलग परिवेशों से आने वाली तीन स्त्री पात्रों के दारुण शोषण और मुक्ति के संघर्ष को दर्शाया गया है। इनकी ही फिल्म 'दामिनी' में बलात्कार से पीड़ित घर की एक नौकरानी को न्याय दिलाने की कहानी को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया है।

आर.के. बैनर की फिल्मों में स्त्री: राजकपूर द्वारा निर्मित-निर्देशित फिल्मों में भी स्त्री जीवन और संघर्ष के विविध रूप सामने आते हैं। 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली' जैसी फिल्मों में जहां नारी के संघर्ष की अलग-अलग दास्तानें दिखती हैं, वहीं 'प्रेमरोग' में आभिजात्य परिवार की विधवा युवती का विवाह सामान्य वर्ग के युवक से करवाकर सामाजिक विषमता को मिटाने की पहल की गई।

बी.आर. चोपड़ा की फिल्मों में स्त्री संघर्ष: फिल्मों में नारी की स्थिति का चित्रण करने में बी. आर. चोपड़ा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। 1956 में उन्होंने फिल्म 'एक ही रास्ता' में विधवा विवाह करवाकर सामाजिक सुधार का संदेश दिया। 'साधना' (1958) समाज में वेश्याओं की स्थिति और उसके प्रति सामाजिक नजरिए पर प्रकाश डालने में सफल रही। साल 1959 में उन्होंने अविवाहित मातृत्व की समस्या से जूझने वाली स्त्रियों के जीवन के बिखराव और उसकी परिणति को दर्शाने वाली सशक्त फिल्म 'धूल का फूल' का निर्माण किया। 'इंसाफ का तराजू' (1980) में बलात्कार से पीड़ित लड़की की कहानी को साहसिक रूप से प्रस्तुत किया। 1982 में फिल्म 'निकाह' में उन्होंने तलाक और हलाला जैसे विषयों को छूने का प्रयास किया।

नारी संघर्ष की दास्तान सुनाती कुछ और फिल्में: बॉलीवुड में स्त्रियों के संघर्ष और नारी सशक्तिकरण पर तमाम बेहतरीन फिल्में बनी हैं। 'खून भरी मांग', 'मृत्युदंड', 'वारिस', 'थप्पड़', 'कहानी', 'लापता लेडीज', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'नीरजा', 'क्वीन', 'गुलाब गैंग', 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'पिंक', 'दंगल', 'छपाक', 'मर्दानी', 'गुंजन सक्सेना' जैसी कितनी ही फिल्में हैं, जो स्त्री संघर्ष, स्त्री सशक्तिकरण सहित स्त्री जीवन के विविध पहलुओं को छूती हैं। *